Sl.No. :

नामांक Roll No.

No. of Questions – 29

No. of Printed Pages – 7

VU–01–Hindi (C) (Supp.)

वरिष्ठ उपाध्याय पूरक परीक्षा, 2018

VARISTHA UPADHYAYA SUPPLEMENTARY EXAMINATION, 2018

हिन्दी (अनिवार्य)

समय : 3¼ **घण्टे**

पूर्णांक : 80

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश :

1) परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न पत्र पर नामांक अनिवार्यतः लिखें ।

2) **सभी** प्रश्न करने अनिवार्य हैं ।

3) प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर–पुस्तिका में निर्धारित शब्द–सीमा में लिखें ।

4) जिस प्रश्न के **अ, ब, स, द** भाग हैं, उन सभी भागों का हल एक साथ सतत् लिखें ।

यहाँ से काटिए

प्रश्न पत्र को खोलने के लिए यहाँ फाड़ें

यहाँ से काटिए

खण्ड – अ

1) निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : [2 + 2 = 4]

(उत्तर सीमा 20 से 30 शब्द)

हम वही और वैसे ही हैं जैसा हमें समाज समझता है। समाज हमारा मूल्यांकन हमारे व्यवहार द्वारा करता है। हमारे विचारों का भी मूल्य होता है, परन्तु मुख्य है हमारा आचार–व्यवहार। मान लीजिए, हम बहुत बड़े विद्वान हैं, बहुत कुशल वक्ता हैं, उच्चकोटि के लेखक भी हैं, समस्त शास्त्र भी हमें कण्ठस्थ हैं, परन्तु यदि हम अपने सम्पर्क में आने वालों के प्रति उचित व्यवहार नहीं करते हैं अथवा अप्रिय वाणी बोलते हैं, तब न तो कोई हमसे सम्पर्क ही करना चाहेगा और न ही हमसे सम्बन्ध रखेगा। हमारे बारे में अच्छी राय किसी की भी नहीं बनेगी। भला आदमी कहलाने अथवा समझा जाने के लिए हमें भले आदमी की भाँति व्यवहार करना होगा। इसी से कहा गया है कि 'आचरण सज्जनता की कसौटी है।'

अ) समाज हमारा मूल्यांकन किस प्रकार करता है? [2]

ब) 'आचरण सज्जनता की कसौटी है।' – इस कथन का आशय स्पष्ट कीजिए। [2]

2) निम्नांकित अपठित पद्यांश को पढ़ कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : [2 + 2 = 4]

(उत्तर सीमा 20 से 30 शब्द)

अँधेरी रात में दीपक जलाए कौन बैठा है?
तिमिर के राज का ऐसा,
कठिन आतंक छाया है,
उठा जो शीश सकते थे,
उन्होंने सिर झुकाया है,
मगर विद्रोह की ज्वाला–
जगाए कौन बैठा है?
अँधेरी रात में दीपक जलाए कौन बैठा है?
प्रलय का सा समा बाँधे,
प्रलय की रात है छाई,
विनाशक शक्तियों की इस–
तिमिर के बीच बन आई–
मगर निर्माण की आशा
दृढ़ाए कौन बैठा है?
अँधेरी रात में दीपक जलाए कौन बैठा है?

अ) 'उठा जो शीश सकते थे,

उन्होंने सिर झुकाया है।'– इन पंक्तियों का भावार्थ स्पष्ट कीजिए। [2]

ब) 'विनाशक शक्तियों की इस –

तिमिर के बीच बन आई–'

उपर्युक्त पंक्तियों में 'विनाशक शक्ति' व 'तिमिर' किसे और क्यों कहा गया है? स्पष्ट कीजिए। [2]

खण्ड – ब

3) निम्नांकित प्रश्नों के उत्तर एक–से–दो पंक्तियों में दीजिए :– [1 + 1 = 2]

अ) कोई 'बोली' 'भाषा' कब बनती है? [1]

ब) लिपि की परिभाषा दीजिए। [1]

4) रेखांकित शब्दों का पद–परिचय दीजिए :– [1 + 1 = 2]

अ) <u>यह</u> मेरा घर है। [1]

ब) हमें <u>रोज़</u> सवेरे प्राणायाम करना चाहिए? [1]

5) 'व्यंजना' शब्द शक्ति की परिभाषा देते हुए एक उदाहरण देकर स्पष्ट भी कीजिए। [1 + 1 = 2]

6) '<u>अम्बर–पनघट</u> में डुबो रही <u>तारा–घट</u> <u>ऊषा–नागरी</u>।'

रेखांकित शब्दों में कौनसा अलंकार है और क्यों? स्पष्ट कीजिए। [1 + 1 = 2]

7) निम्नांकित शब्दों के अर्थ लिखिए :– [1 + 1 = 2]

अ) Layout

ब) Note

8) अधिसूचना किसे कहते हैं? एक अधिसूचना का उचित प्रारूप भी बनाइए। [1 + 1 = 2]

9) निम्नांकित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 300 शब्दों में सारगर्भित निबन्ध लिखिए :– [4]

अ) राष्ट्रीयता बोध: वर्तमान की आवश्यकता

ब) विधिक जागरूकता

स) विमुद्रीकरण: भ्रष्टाचार पर एक प्रहार

द) लोकगीत: संस्कृति के वाहक

खण्ड – स

10) निम्नांकित पद्यांशों में से किसी एक पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :– [1 + 2 + 1 = 4]

(उत्तर सीमा–लगभग 80 शब्द)

त्याग तो ऐसा कीजिए, सब कुछ एकहि बार।
सब प्रभु का मेरा नहीं, निहचे किया विचार।।
सुनिये गुण की बारता, औगुन लीजै नाहिं।
हंस छीर को गहत है, नीर सो त्यागे जाहिं।।
छोड़े जब अभिमान को, सुखी भया सब जीव।
भावै कोई कछु कहै, मेरे हिय निज पीव।।

अथवा

कर यत्न मिटे सब, सत्य किसी ने जाना?
नादान वहीं है, हाय, जहाँ पर दाना?
फिर मूढ़ न क्या जग, जो इस पर भी सीखे?
मैं सीख रहा हूँ, सीखा ज्ञान भुलाना।।
मैं और, और जग और, कहाँ का नाता,
मैं बना–बना कितने जग रोज़ मिटाता,
जग जिस पृथ्वी पर जोड़ा करता वैभव,
मैं प्रति पग से उस पृथ्वी को ठुकराता।

11) निम्नांकित गद्यांशों में से किसी एक की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :- **[1 + 2 + 1 = 4]**
(उत्तर सीमा–लगभग 80 शब्द)

चलने–फिरने वाले बच्चों में, जिनमें भाव देर तक नहीं टिकते और दु:ख परिहार का ज्ञान या बल नहीं होता, भय अधिक होता है। बहुत–से बच्चे तो किसी अपरिचित आदमी को देखते ही घर के भीतर भागते हैं। पशुओं में भी भय अधिक पाया जाता है। अपरिचित के भय में जीवन का कोई गूढ़ रहस्य छिपा जान पड़ता है। प्रत्येक प्राणी भीतरी आँख खुलते ही अपने सामने मानों एक दु:ख–कारण पूर्ण संसार फैला हुआ पाता है जिसे क्रमश: कुछ अपने ज्ञान बल से और कुछ बाहुबल से थोड़ा–बहुत सुखमय बनाता चलता है। क्लेश और बाधा का ही सामान्य आरोप करते जीवन संसार में पैर रखता है। सुख और आनंद को वह सामान्य का व्यतिक्रम समझता है, विरल विशेष मानता है। इस विशेष से सामान्य की ओर जाने का साहस उसे बहुत दिनों तक नहीं होता।

अथवा

यहाँ एक अंतर चीन्ह लेना बहुत जरूरी है। मन खाली नहीं रहना चाहिए, इसका मतलब यह नहीं है कि वह मन बंद रहना चाहिए। जो बंद हो जाएगा, वह शून्य हो जाएगा। शून्य होने का अधिकार बस परमात्मा का है जो सनातन भाव से संपूर्ण है। शेष सब अपूर्ण है। इससे मन बंद नहीं रह सकता। सब इच्छाओं का निरोध कर लोगे, यह झूठ है। और अगर 'इच्छानिरोधस्तप:' का ऐसा ही नकारात्मक अर्थ हो तो वह तप झूठ है। वैसे तप की राह रेगिस्तान को जाती होगी, मोक्ष की राह वह नहीं है। ठाट देकर मन को बंद कर रखना जड़ता है। लोभ का यह जीतना नहीं है कि जहाँ लोभ होता है, यानी मन में, वहाँ नकार हो? यह तो लोभ की ही जीत है और आदमी की हार। आँख अपनी फोड़ डाली, तब लोभनीय के दर्शन से बचे तो क्या हुआ? ऐसे क्या लोभ मिट जाएगा?

12) 'जिन देशों में हाथ और मुहँ पर मजदूरी की धूल नहीं पड़ने पाती वे धर्म और कला–कौशल में कभी उन्नति नहीं कर सकते।'– 'मजदूरी और प्रेम' इस अध्याय के आधार पर उपर्युक्त कथन को उदाहरण सहित समझाइए।
(उत्तर सीमा लगभग 80 शब्द) **[4]**

अथवा

'अहंकार घृणा का पिता है और घृणा जीवन की संपूर्ण ऊँचाइयों की दुश्मन है।' –'मैं और मैं' अध्याय के आधार पर मौलिक उदाहरणों के द्वारा उपर्युक्त कथन का भाव स्पष्ट कीजिए। (उत्तर सीमा लगभग 80 शब्द)

13) 'कवि भूषण की रचनाओं में राष्ट्रीयता की भावना, वीरता के उद्गार व ओजगुण का वैशिष्ट्य है।' – इस कथन की व्याख्या 'वीररस के कवित्त: भूषण' अध्याय के आधार पर कीजिए। (उत्तर सीमा लगभग 80 शब्द) **[4]**

अथवा

'कवयित्री सुभद्रा कुमारी चौहान द्वारा लिखित 'मेरा नया बचपन' 'बचपन' पर लिखी गई अपनी तरह की दुर्लभ कविता है।' इस कथन को पठित कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए। (उत्तर सीमा लगभग 80 शब्द)

14) रहीम के दोहों के द्वारा हमें क्या शिक्षा प्राप्त होती है? संक्षेप में लिखिए। (उत्तर सीमा लगभग 40 शब्द) **[2]**

15) 'कविता की उड़ान सीमातीत है', 'कविता के बहाने' कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

(उत्तर सीमा लगभग 40 शब्द) **[2]**

16) 'विधान–सम्बन्धी नैतिकता का पालन' प्रजातन्त्रवाद के सफल संचालन के लिए किस प्रकार आवश्यक है?

(उत्तर सीमा लगभग 40 शब्द) **[2]**

17) 'एकांकी तौलिए' में शिष्टाचार, सभ्यता व तहजीब के नाम पर फैल रहे आडम्बर व खोखलेपन को अभिव्यक्त किया गया है। कैसे? स्पष्ट कीजिए। (उत्तर सीमा लगभग 40 शब्द) **[2]**

18) कवि कृपाराम खिड़िया अथवा बहुमुखी प्रतिमा के धनी जयशंकर प्रसाद का साहित्यिक परिचय दीजिए।

(उत्तर सीमा लगभग 80 शब्द) **[4]**

19) 'मूढ़ परे भव कूप' तुलसीदास जी ने ऐसा क्यों कहा है? (उत्तर सीमा लगभग 20 शब्द) **[2]**

20) कुछ विदेशियों ने हिमालय की बर्फ को चिरंतन हिम (एटर्नल स्नो) क्यों कहा है?

(उत्तर सीमा लगभग 20 शब्द) **[2]**

खण्ड – द

21) महात्मा गांधी ने 'सभ्यता सीखने का अपनी सामर्थ्य से परे का और छिछला रास्ता' किसे कहा है?

(उत्तर सीमा लगभग 40 शब्द) **[2]**

22) 'अब हमारे घर में मानो दुग्ध–महोत्सव आरम्भ हुआ।' महादेवी जी के इस कथन को संक्षेप में समझाइए।

(उत्तर सीमा लगभग 40 शब्द) **[2]**

23) 'बोधिसत्त्व पद्म–पाणि' चित्र की विशेषताएँ बताइए। (उत्तर सीमा लगभग 40 शब्द) **[2]**

अथवा

'प्रकृति व पर्यावरण संरक्षण' हेतु इमरता देवी के योगदान का वर्णन कीजिए। (उत्तर सीमा लगभग 40 शब्द)

24) ''उसने कहा था' कहानी की कथावस्तु प्रेम, त्याग और कर्त्तव्यनिष्ठा की श्रेष्ठता को बतलाने वाली है।' उपयुक्त उदाहरण सहित कथन को स्पष्ट कीजिए। (उत्तर सीमा 80 से 100 शब्द) **[6]**

अथवा

'मानस का हंस' उपन्यास के संकलित अंश में तुलसीदास का अन्तर्द्वन्द्व, तत्कालीन समाज की मन:स्थिति तथा रत्नावली की त्यागमयी प्रतिमूर्ति के दिग्दर्शन होते हैं।' उक्त कथन को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए। (उत्तर सीमा 80 से 100 शब्द)

खण्ड – य

25) समाचार लेखन में 'स्टोरी' को स्पष्ट कीजिए। (उत्तर सीमा लगभग 40 शब्द) **[2]**

26) पत्रकार पी. डी. टण्डन ने फीचर का विश्लेषण किस प्रकार किया है? (उत्तर सीमा लगभग 40 शब्द) **[2]**

27) किसी प्रसिद्ध खिलाड़ी का टेलीविजन पर प्रसारण हेतु साक्षात्कार लेने के लिए एक प्रश्नावली का निर्माण कीजिए; जिसमें साक्षात्कार के तत्वों का समावेश हो। (उत्तर सीमा लगभग 40 शब्द) **[2]**

28) 'स्वतन्त्रता से पूर्व व स्वतन्त्रता के पश्चात्' फिल्मी पत्रकारिता पर एक टिप्पणी लिखिए।

(उत्तर सीमा 40 से 80 शब्द) **[3]**

29) 'डायरी लेखन का हमारे व्यक्तित्व को सुधारने एवं सँवारने में अत्यधिक प्रभाव पड़ता है।' – इस कथन के परिप्रेक्ष्य में डायरी लेखन की विशेषताएँ लिखिए। (उत्तर सीमा 40 से 80 शब्द) **[3]**

● ● ●

DO NOT WRITE ANYTHING HERE